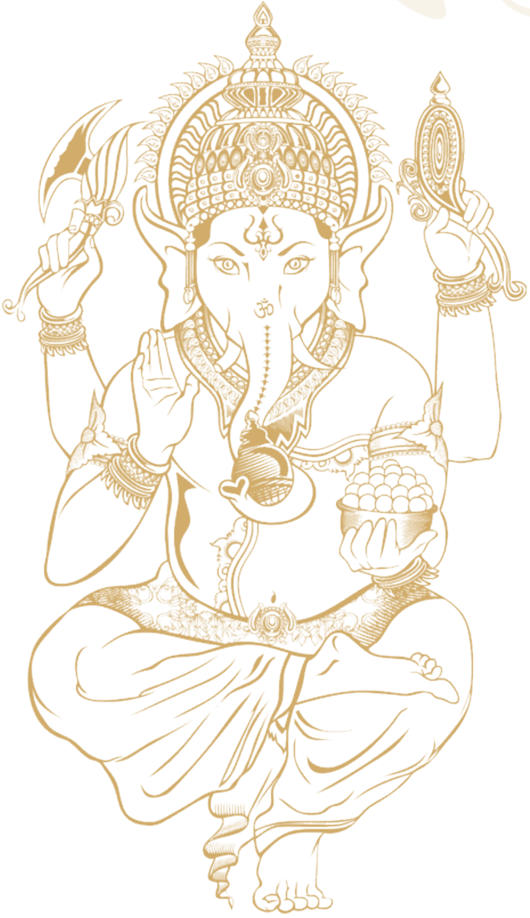

Sidhant

14 Dec 2004

07:18 AM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/12/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:18:00 घंटे**
इष्ट	00:16:23 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:55:16 घंटे
वेलान्तर	00:05:14 घंटे
साम्पातिक काल	12:27:35 घंटे
सूर्योदय	07:11:26 घंटे
सूर्यास्त	17:23:42 घंटे
दिनमान	10:12:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:29:19 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:02:29 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	29:02:29	321:07:39	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	28:29:19	01:01:03	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	27:03:35	15:07:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल			तुला	28:09:38	00:40:48	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	19:55:14	01:05:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	21:16:15	00:08:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:46:58	01:14:49	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि	व		कर्क	02:16:22	00:03:39	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	06:54:12	00:07:59	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	06:54:12	00:07:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:23:22	00:01:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:23:09	00:01:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:07:57	00:02:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कन्या	13:34:55	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:26

लग्न-चलित

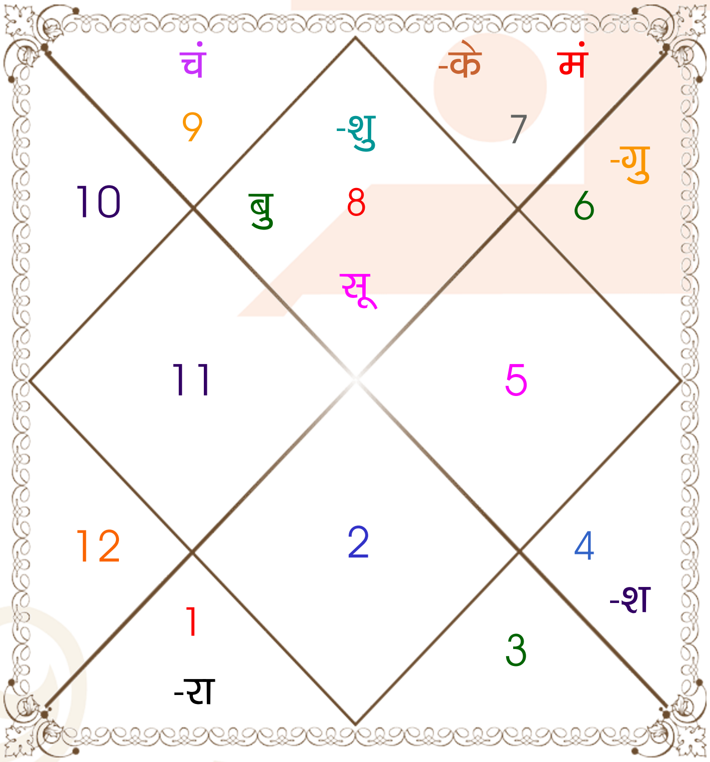

चन्द्र कुंडली

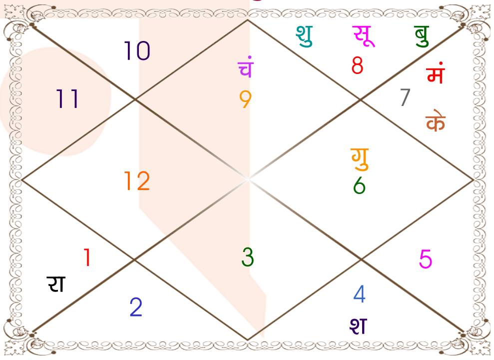

नवमांश कुंडली

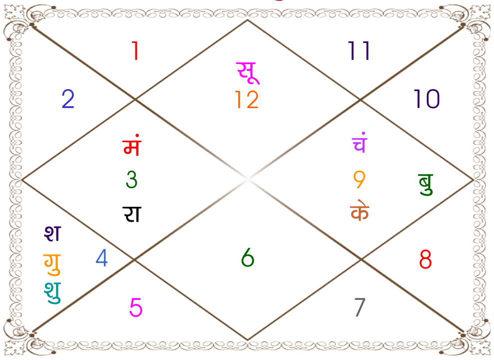

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 9 मास 26 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
14/12/2004	**11/10/2010**	**10/10/2020**	**11/10/2027**	**10/10/2045**
11/10/2010	**10/10/2020**	**11/10/2027**	**10/10/2045**	**10/10/2061**
सूर्य 28/01/2005	चंद्र 11/08/2011	मंगल 08/03/2021	राहु 23/06/2030	गुरु 29/11/2047
चंद्र 29/07/2005	मंगल 11/03/2012	राहु 27/03/2022	गुरु 16/11/2032	शनि 11/06/2050
मंगल 04/12/2005	राहु 10/09/2013	गुरु 03/03/2023	शनि 23/09/2035	बुध 16/09/2052
राहु 29/10/2006	गुरु 10/01/2015	शनि 11/04/2024	बुध 11/04/2038	केतु 23/08/2053
गुरु 17/08/2007	शनि 10/08/2016	बुध 08/04/2025	केतु 30/04/2039	शुक्र 23/04/2056
शनि 29/07/2008	बुध 10/01/2018	केतु 04/09/2025	शुक्र 29/04/2042	सूर्य 09/02/2057
बुध 05/06/2009	केतु 11/08/2018	शुक्र 04/11/2026	सूर्य 24/03/2043	चंद्र 11/06/2058
केतु 10/10/2009	शुक्र 11/04/2020	सूर्य 12/03/2027	चंद्र 22/09/2044	मंगल 18/05/2059
शुक्र 11/10/2010	सूर्य 10/10/2020	चंद्र 11/10/2027	मंगल 10/10/2045	राहु 10/10/2061

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
10/10/2061	**10/10/2080**	**10/10/2097**	**11/10/2104**	**11/10/2124**
10/10/2080	**10/10/2097**	**11/10/2104**	**11/10/2124**	**00/00/0000**
शनि 13/10/2064	बुध 09/03/2083	केतु 09/03/2098	शुक्र 11/02/2108	सूर्य 15/12/2124
बुध 23/06/2067	केतु 05/03/2084	शुक्र 09/05/2099	सूर्य 10/02/2109	00/00/0000
केतु 01/08/2068	शुक्र 04/01/2087	सूर्य 14/09/2099	चंद्र 12/10/2110	00/00/0000
शुक्र 02/10/2071	सूर्य 10/11/2087	चंद्र 15/04/2100	मंगल 12/12/2111	00/00/0000
सूर्य 13/09/2072	चंद्र 11/04/2089	मंगल 11/09/2100	राहु 12/12/2114	00/00/0000
चंद्र 14/04/2074	मंगल 08/04/2090	राहु 29/09/2101	गुरु 12/08/2117	00/00/0000
मंगल 24/05/2075	राहु 25/10/2092	गुरु 05/09/2102	शनि 11/10/2120	00/00/0000
राहु 30/03/2078	गुरु 31/01/2095	शनि 15/10/2103	बुध 12/08/2123	00/00/0000
गुरु 10/10/2080	शनि 10/10/2097	बुध 11/10/2104	केतु 11/10/2124	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करता है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करते हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपने साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करतें आए हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीते आएं हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगे।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल स्त्री को बहुत पसंद करते हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपकी प्रेमिका बहुत अच्छी तो नहीं है परंतु बड़ी मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहते हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमिका की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आप जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगे। आपको अपनी जीवन संगिनी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकते हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकते हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकते हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।